an>

Title: Regarding constructing embankments on Sonali and River Ganga.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय उपाध्यक्ष जी, बादल फटने, नदियों में पानी भर जाने, अतिवृÂिट और भूस्खलन से पूरा उत्तराखंड बुरी तरह से प्रभावित है। इतना ही नहीं, मेरे लोक सभा क्षेत्र हरिद्वार के हरिद्वार, बहादराबाद, लक्सर, खानपुर, भगवानपुर रोड, नारसन, ज्वालापुर, डोईवाला और ऋषिकेश सहित सैंकड़ों गाँव जलमग्न हो गए हैं। पूरे क्षेत्र में जन-धन और ज़मीनों की व्यापक क्षति हुई है। फसलें तबाह हो गई हैं, खेत-खलिहान बर्बाद हो गए हैं, लोग भुखमरी के कगार पर हैं। यहाँ तक कि मवेशियों के चारे का संकट हो गया है। इस भीÂषण त्रासदी से पूरा जन-जीवन ठप्प हो गया है। वहाँ के लोग घरों को छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं।

श्रीमन्, जहाँ राज्य प्रशासन बिल्कुल संवेदनहीन हो गया है, जहाँ लोग बर्बाद हो गए हैं, वहाँ उनसे ऋण वसूली के लिए नोटिस जारी हो रहे हैं, इसलिए लोग आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं।

मेरा आपसे अनुरोध है कि सुनाली नदी और गंगा के तटबंध, जो बार-बार टूट जाते हैं और इससे सैंकड़ों गांव बर्बाद हो जाते हैं, इन्हें तत्काल बनाया जाए। वहां ऋण वसूली तत्काल रोकी जाए और उनके ऋण को माफ किया जाए, ताकि वे अपना जीवन जी सकें। जो टिहरी के विस्थापित लोग हैं, उन पर विशेÂष ध्यान दिया जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi are permitted to associate with the issue raised by Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank